International Journal of Scientific Research in Science and Technology
Print ISSN: 2395-6011 | Online ISSN: 2395-602X (www.ijsrst.com)

उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों में पर्यावरणीय जागरुकता का अध्ययन

रुपाली मुखर्जी
शोधार्थी (शिक्षा विभाग), रिसर्च डीन

डॉ. हर्षा पाटिल
मार्गदर्शक
डॉ. बीनू शुक्ला, कलिंगा विश्वविद्यालय रायपुर (छत्तीसगढ़)

Article Info
Volume 8, Issue 6
Page Number : 530-536

Publication Issue
November-December-2021

Article History
Accepted : 15 Dec 2021
Published : 30 Dec 2021

सारांश:

उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों की पर्यावरणीय जागरुकता का अध्ययन, यह इस शोध का विषय है ।इस अध्ययन में रायपुर जिले के शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्र में संचालित उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में कक्षा 11 वीं तथा 12 वीं में अध्ययनरत् विद्यार्थियों को चुना गया । शहरी क्षेत्र के उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों से 300 विद्यार्थियों तथा ग्रामीण क्षेत्र के उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों से 300 विद्यार्थियों को चुना गया। इन विद्यार्थियों का चयन रायपुर जिले के शहरी छेत्रों में संचालित 05 शालाओं तथा ग्रामीण क्षेत्र में संचालित 05 शालाओं से किया गया । चयनित विद्यार्थियों पर प्रवीण कुमार झा के Environment Awareness Ability Measure को प्रशासित किया गया । विद्यार्थियों द्वारा प्रवीण कुमार झा के Environment Awareness Ability Measure पर दी गयी प्रतिक्रियाओं को मूल्यांकित किया गया एवं इन्हें अध्ययन में बनाये गये समूहों के अनुरूप सारणी में रखा गया ।

निष्कर्ष के रूप में पाया गया है कि उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् बहुसंख्य विद्यार्थियों में पर्यावरणीय जागरूकता उच्च स्तर की है तथा उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों की शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्र में स्थिति विद्यार्थियों की पर्यावरणीय जागरूकता को प्रभावित नहीं करती है ।

प्रस्तावना :-

पर्यावरण का सामान्य अर्थ भौतिक परिवेश से है जो पृथ्वी के जैव जगत को आवृत्त किए हुए है तथा जिसके प्रभाव से जीवन में स्पंदन होता है। पर्यावरण का प्रत्येक (स्थल मण्डल, जलमण्डल, वायुमण्डल एवं जैवमण्डल) एक दूसरे पर इस प्रकार आश्रित है कि उन्हें एक दूसरे से पृथक करना संभव नहीं है। मानव की पूर्णता प्रकृति पर निर्भर है। मानव ने

Copyright: © the author(s), publisher and licensee Technoscience Academy. This is an open-access article distributed under the terms of the Creative Commons Attribution Non-Commercial License, which permits unrestricted non-commercial use, distribution, and reproduction in any medium, provided the original work is properly cited

अपने जीवन को आरामदायक व सुखद बनाने का प्रयास में प्रकृति के रहस्यों को जानकर प्रकृति से छेड़छाड़ आरंभ कर दी है। इस प्रकार मानव ने प्राकृतिक संसाधनों का शोषण करके पर्यावरण अवनयन को अधिक प्रभावित किया है। मनुष्य एवं प्रकृति का अन्योन्याश्रित संबंध है। प्रकृति में पर्यावरण में संतुलन की अनिवार्यता के दृष्टिकोण से जन-जन में पर्यावरण जागरूकता का विकास होना अतिआवश्यक है। विज्ञान और प्रौद्योगिकी के विकास से जिस नई सभ्यता का जन्म हुआ, जिसने जीवन और प्रकृति के प्रति मानव के दृष्टिकोण में बुनियादी परिवर्तन कर दिया है। अब प्रकृति मानव समाज के लिए मात्र साधन बनकर रह गई है। अधिक उपार्जन एवं संग्रह की लालसा ने कम समय एवं कम श्रम की कीमत पर अधिक उत्पादन करने की प्रेरणा से बड़े उद्योगों को बढ़ावा दिया, जिससे तात्कालिक लाभ अधिक उत्पादन के रूप में मिला परंतु दूरगामी परिणाम प्रदूषण की विभीषिका के रूप में सामने आया। मानवीय विकास का पर्याय जबसे तकनीकी प्रगति बनी है, तब से एकतरफा सोच द्वारा प्राकृतिक संतुलन को भुला दिया गया है। इसी के दुष्परिणाम के रूप में पर्यावरणीय समस्याएं उग्र रूप धारण कर चुकी है। डॉ विद्यानिवास मिश्र का कथन है ''प्रकृति की संवेदनशीलता मानव को प्रभावित करती हे, किन्तु जहां औद्योगिक विकास के अंधे मानव ने प्रकृति को चुनौती माना और उस पर विजय प्राप्त करने की इच्छा करने लगा, यहीं से मानव और प्रकृति का संघर्ष हुआ, जिसका दृष्परिणाम सामने है।''

➢ संबंधित साहित्य का अध्ययन :-

1. चन्दा कुमारी **(2010)** :- ''किशोरों में पर्यावरण जागरूकता, पर्यावरणीय अभिवृत्ति व पारिस्थितिक व्यवहार का अध्ययन।''अध्ययन में पाया गया कि सिर्फ 4 प्रतिशत छात्राओं व 14 प्रतिशत छात्रों में बहुत कम स्तर की पर्यावरण जागरूकता थी। छात्रों की पर्यावरण के प्रति अभिवृत्ति भी प्रतिकूल थी।
2. संतोष कुमार व सुर्कीति अग्रवाल **(2011):**- ''उच्च स्तर के विद्यालयों के विद्यार्थियों की पर्यावरण जागरूकता व पर्यावरणीय अभिवृत्ति का अध्ययन।''

   अध्ययन में पाया गया कि विज्ञान के विद्यार्थियों में पर्यावरण जागरूकता दूसरे संकाय के विद्यार्थियों से ज्यादा थी। पुरूष व महिलाओं की पर्यावरणीय जागरूकता व अभिवृत्ति में ज्यादा अंतर नहीं था। शहरी पृष्ठभूमि के विद्यार्थी ग्रामीण पृष्ठभूमि के विद्यार्थियों से ज्यादा जागरूक थे।
3. भुवनेश्वरी, लक्ष्मी व सैलजा **(2012)**:- शिक्षकों की सकारात्मक पर्यावरणीय अभिवृत्ति ही पर्यावरण शिक्षा के लिए न्यायोचित का अध्ययन।''

   इस अध्ययन में पाया गया कि माध्यमिक स्तर के शिक्षकों की अभिवृत्ति का स्तर पर्यावरण के प्रति कम था लिंग से सम्बन्धीत पर्यावरणीय अभिवृत्ती में कोई अंतर नही था। माध्यमिक स्तर के शिक्षकों का सामाजिक स्तर से संबंधित पर्यावरणीय अभिवृत्ति में कोई अंतर नहीं था।
4. नवा व्हाईट हैड व सूसन **(2015)** :- ''माध्यमिक विद्यालयी विद्यार्थी के प्रदर्शन पर कक्षा के पर्यावरणीय शिक्षण कार्यक्रमों का प्रभाव।''

इस अध्ययन में पाया गया कि पर्यावरणीय शिक्षण कार्यक्रमों का विद्यार्थियों के अधिगम पर सकारात्मक प्रभाव था। विद्यार्थियों के नियंत्रण की भावना विभिन्न कार्यक्रमों द्वारा दृढ़ता से प्रभावित थी।

5. समीर कुमार लेनका **(2017)**:- "स्नातकोत्तर विद्यार्थियों में पर्यावरणीय शिक्षा के प्रति जागरूकता का अध्ययन।"

   अध्ययन में पाया गया कि कला व वाणिज्य संकाय के विद्यार्थियों से ज्यादा विज्ञान संकाय के विद्यार्थियों में पर्यावरणीय जागरूकता थी। पुरूष व महिला स्नातकोत्तर विद्यार्थियों की पर्यावरणीय जागरूकता में कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं था।

- **अध्ययन का उद्देश्य:-**

1. उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों की पर्यावरण के प्रति जागरुकता का अध्ययन करना ।
2. शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्र के उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों की पर्यावरण के प्रति जागरुकता का तुलनात्मक आंकलन करना ।

- **शोध परिकल्पना:-**

H_1 उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों की पर्यावरण के प्रति जागरुकता में सार्थक भिन्नता नहीं पायी जायेगी ।

$H_{1.2}$ शहरी क्षेत्र के उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों की पर्यावरण के प्रति जागरुकता में सार्थक भिन्नता नहीं पायी जायेगी ।

$H_{1.3}$ ग्रामीण क्षेत्र के उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों की पर्यावरण के प्रति जागरुकता में सार्थक भिन्नता नहीं पायी जायेगी ।

- **प्रस्तुत शोध में प्रयुक्त विधि:-**

प्रस्तुत शोध में शोधार्थी का उद्देश्य उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों की पर्यावरणीय जागरूकता का अध्ययन करना है। अतः शोध में अध्ययन की प्रकृति व उसकी वर्तमान परिस्थिति से संबंद्धता देखते हुए शोधार्थी द्वारा सर्वेक्षण विधि का चयन किया गया।

- अध्ययन में प्रयुक्त न्यादर्श –

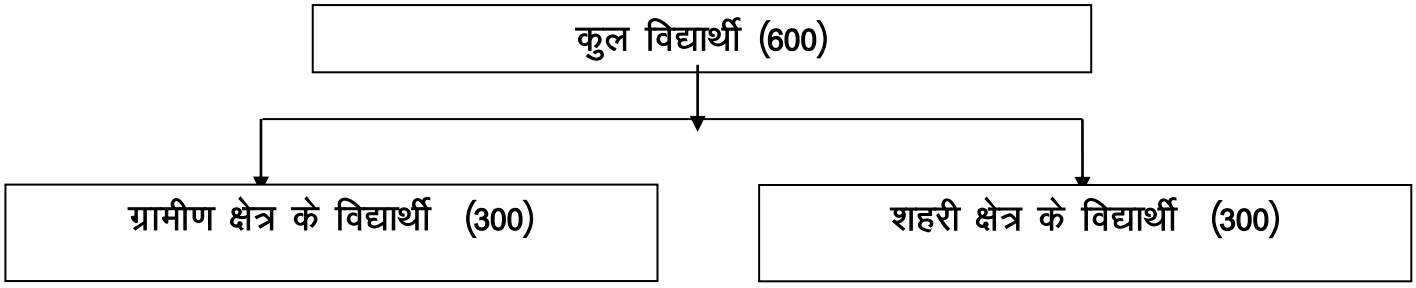

- **अध्ययन के उपकरण:**

शोधार्थी द्वारा प्रस्तुत समस्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों की पर्यावरणीय जागरूकता का अध्ययन करना है।इस हेतु शोधार्थी द्वारा मानकीकृत उपकरणों का प्रयोग किया गया है।

- **पर्यावरणीय जागरुकता मापनी (मानकीकृत) (डॉ. प्रवीण कुमार झा)**

एनवायरमेंट अवेयरनेस एबिलिटी मापनीः

इस अध्ययन में उच्च्तर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों की पर्यावरणीय जागरुकता का मापन प्रवीण कुमार झा द्वारा बनायी गयी प्रश्नावली द्वारा किया। इस मापनी में कुल 51 प्रश्न है जिनका निर्माण पांच आयामों 1. प्रदूषण के कारण, 2. मिट्टी, जंगल तथा वायु का संरक्षण, 3. उर्जा संरक्षण, 4. मानव स्वास्थ्य का संरक्षण तथा 5. वन्य जीवों तथा पशुपालन संरक्षण के आधार पर किया गया है।

- **स्कोरिंग:**

इसमें 51 कथनों में हर कथन पर प्रतिक्रियाओं का मापन 03 विकल्पों के आधार पर किया गया है। 03 विकल्प सहमत, तटस्थ, तथा असहमत हैं जिनके न्यूमेरिकल अंक कथन के सकारात्मक एवं नकारात्मक होने के आधार पर 02,01 एवं 00 marks प्रदान किये जाते हैं। प्रश्न क्रमांक 5,8,16,23,27,41,47 एवं 50 नकारात्मक कथन है। अतः इन पर स्कोरिंग 00,01 एवं 02 के आधार पर की जाती है। इस मापनी में न्यूनतम अंक 00 तथा अधिकतम अंक 102 हो सकते है।

- **नार्म्स/मानदंड:**

74 से अधिक अंक - उच्च स्तर की पर्यावरणीय जागरुकता

59-74 के बीच अंक- मध्यम स्तर की पर्यावरणीय जागरुकता

59 से कम अंक - निम्न स्तर की पर्यावरणीय जागरुकता

तालिका क्रमांक 1

उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों में पर्यावरणीय जागरुकता का विश्लेषण

पर्यावरणीय जागरुकता	उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थी		
	संख्या	प्रतिशत	
उच्च स्तर (75 एवं उससे ज्यादा अंक)	360	60.0	$\chi 2 = 208.81$ $p<.01$
मध्यम स्तर (59–74 अंक)	161	26.8	
निम्न स्तर (59 से कम अंक)	79	13.2	
कुल	600	100.0	

$\chi 2$ (df=2) = 5.99 at .05 level and 9.21 at .01 level

तालिका 1 के अनुसार उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् **60**% विद्यार्थियों में पर्यावरणीय जागरूकता उच्च स्तर की हैए उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् **26.8**% विद्यार्थियों में पर्यावरणीयजागरूकता मध्यम स्तर की है जबकि उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् **13.2**% विद्यार्थियों में पर्यावरणीय जागरुकता निम्न स्तर की है ।

तालिका क्रमांक 2

शहरी क्षेत्र के उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों की पर्यावरणीय जागरुकता का विश्लेषण

पर्यावरणीय जागरुकता	शहरी क्षेत्र के उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थी		
	संख्या	प्रतिशत	
उच्च स्तर (75 एवं उससे ज्यादा अंक)	185	61.7	$\chi2 = 114.85$ $p<.01$
मध्यम स्तर (59–74 अंक)	75	25.0	
निम्न स्तर (59 से कम अंक)	40	13.3	
कुल	300	100.0	

$\chi2$ (df=2) = 5.99 at .05 level and 9.21 at .01 level

तालिका 2 के अनुसार शहरी क्षेत्र के उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् 61.7% विद्यार्थियों में पर्यावरणीय जागरूकता उच्च स्तर की है, शहरी क्षेत्र के उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् 25% विद्यार्थियों में पर्यावरणीय जागरूकता मध्यम स्तर की है जबकि शहरी क्षेत्र के उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् 13.3% विद्यार्थियों में पर्यावरणीय जागरुकता निम्न स्तर की है ।

तालिका क्रमांक 3

ग्रामीण क्षेत्र के उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों की पर्यावरणीय जागरुकता का विश्लेषण

पर्यावरणीय जागरुकता	ग्रामीण क्षेत्र के उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थी		
	संख्या	प्रतिशत	
उच्चस्तर (75 एवं उससे ज्यादा अंक)	175	58.3	$\chi2 = 95.42$ $p<.01$
मध्यम स्तर (59–74 अंक)	86	28.7	
निम्न स्तर (59 से कम अंक)	39	13.0	
कुल	300	100.0	

$\chi2$ (df=2) = 5.99 at .05 level and 9.21 at .01 level

तालिका 3 के अनुसार ग्रामीण क्षेत्र के उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् 58.3%विद्यार्थियों में पर्यावरणीय जागरूकता उच्च स्तर की है, ग्रामीण क्षेत्र के उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत्

28.7% विद्यार्थियों में पर्यावरणीय जागरूकता मध्यम स्तर की है जबकि ग्रामीण क्षेत्र के उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् 13% विद्यार्थियों में पर्यावरणीय जागरुकता निम्न स्तर की है ।

➢ **<u>परिणाम:-</u>**

- उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् 60% विद्यार्थियों में उच्च स्तर की पर्यावरणीय जागरूकता, 26.8% विद्यार्थियों में मध्यम स्तर की पर्यावरणीय जागरूकता जबकि 13.2% विद्यार्थियों में निम्न स्तर की पर्यावरणीय जागरुकता पायी गयी । गणना किये गये $\chi 2$ (df=2) = 208.81, p<.01 के अनुसार बहुसंख्यक उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के चयनित विद्यार्थियों में पर्यावरणीय जागरूकता उच्च स्तर की पायी गयी ।
- शहरी क्षेत्र के उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् 61.7% विद्यार्थियों में उच्च स्तर की पर्यावरणीय जागरूकता, 25% विद्यार्थियों में मध्यम स्तर की तथा 13.3% विद्यार्थियों में निम्न स्तर की पर्यावरणीय जागरुकता पायी गयी । ज्ञात $\chi 2$ (df=2) = 114.85 (p<.01) के अनुसार शहरी क्षेत्र के उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् बहुसंख्यक विद्यार्थियों में पर्यावरणीय जागरूकता उच्च स्तर की है ।
- ग्रामीण क्षेत्र के उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् 58.3% विद्यार्थियों में पर्यावरणीय जागरूकता उच्च स्तर की, 28.7% विद्यार्थियों में मध्यम स्तर की तथा 13% विद्यार्थियों में निम्न स्तर की पायी गयी $\chi 2$ (df=2) = 114.85 (p<.01) के अनुसार ग्रामीण क्षेत्र के उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् बहुसंख्यक विद्यार्थियों में पर्यावरणीय जागरूकता उच्च स्तर की है ।

➢ **<u>निष्कर्ष:</u>**

- उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् बहुसंख्य विद्यार्थियों में पर्यावरणीय जागरूकता उच्च स्तर की है ।
- उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों की शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्र में स्थिति विद्यार्थियों की पर्यावरणीय जागरूकता को प्रभावित नहीं करती है ।

REFERENCE

1) Bhattacharya, G.C., 1997. “Environmental awareness among Higher secondary students of science and non-science stream”, School Science, 35 CU
2) Mishra, S.N. 1998.: Study of environmental awareness of secondary school (UP & CBSE Board) students”, An unpublished thesis. B.H.U. Varanasi
3) Bharti, A. Nee Avita.2002. “A study of the relationship between environmental awareness and scientific attitudes among Higher secondary students of Varanasi city” An unpublished thesis. B.H.U. Varanasi

4) Singh, Sunita. 2005. “A study of environmental awareness of different educated class”, Indian Journal of Educational Research, Vol. 23, No. 2, Lucknow
5) Neelam. 2007. “Study of environmental awareness among students of graduation 3rd year studying in educational institutions of Varanasi city.” An unpublished dissertation, Faculty of Education, B.H.U., Varanasi
6) Ananda, Kalpana. 2008. “Environmental awareness among primary teachers in Varanasi city” An unpublished thesis. B.H.U. Varanasi
7) Akhtar, P. R., Sahidullah, F. T., & Das, P. (2010). Environmental and Population Education. Guwahati: Assam Book Depot.
8) Ghosh, K. (2014). Environmental Awareness among Secondary School Students of Golaghat District in the State of Assam and their attitude towards environmental education. IOSR Journal of Humanities and Social Science , 30-34.
9) Bordhan, S(2017).A study on the environmental awareness among secondary school students in a district of Assam. International Journal of Advanced Education and Research,2(2),17-19.
10) Dhanya, C & Pankajam, R (2017). Environmental Awareness Among Secondary School Students. International Journal of Research – Granthaalayah, 5(5),22.